मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 153, मुंबई, मंगलवार, 3 अगस्त, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए
MM MITHAIWALA
BHARATIYA.CO SUNZO
गरमा गरम नाश्ता और
शुद्ध घी की मिठाइयाँ
पार्सल
zomato SWIGGY
amazon.in Flipkart
Order on WhatsApp
+91 98208 99501
www.mmmithaiwala.com

महाराष्ट्रः लॉकडाउन के नियमों में ढील जारी की गई GUIDELINES

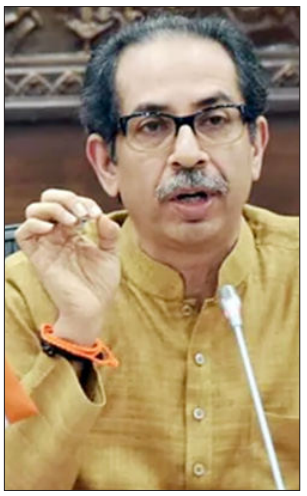

22 जिलों में सभी दुकानें रात 8 बजे तक खुलेंगी

धार्मिक स्थल बंद रहेंगे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में लॉकडाउन से जुड़े प्रतिबंधों में छूट से संबंधित नई गाइडलाइंस जारी कर दी गई है। ब्रेक द चेन के तहत राज्य के 22 जिलों के व्यापारियों के लिए बड़ी राहत का ऐलान किया गया है। इन 22 जिलों में रात 8 बजे तक दुकानें खोलने की अनुमति मिल गई है। इसके अलावा दुकानें अब शनिवार भी दोपहर 3 बजे तक खोली जा सकेंगी। रविवार को दुकानें बंद रहेंगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई-ठाणे बाहर

मुंबई, मुंबई उपनगर और ठाणे के लिए इस नियमावली में छूट की घोषणा नहीं की गई है, मुंबई-ठाणे से संबंधित निर्णय आपदा प्रबंधन विभाग पर छोड़ा गया है

भीड़भाड़ से बचने के लिए जन्मदिन समारोह, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, चुनाव, चुनाव प्रचार, रैलियों, विरोध-प्रदर्शन मार्चों पर लगाए गए प्रतिबंध जारी रहेंगे।

क्या-क्या रहेगा बंद?

एक बार फिर बता दें कि राज्य के 22 जिलों के लिए यह नई नियमावली लागू की गई है। राज्य के 11 जिलों में पुराने कड़े प्रतिबंध जारी रहेंगे। लेकिन फिलहाल धार्मिक स्थल बंद रहेंगे। थिएटर, सिनेमाहॉल बंद रहेंगे। सामाजिक सांस्कृतिक कायक्रम बंद रहेंगे। राजनीतिक कार्यक्रमों में बंदी कायम रहेगी। रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक पहले से जारी प्रतिबंध कायम रहेंगे।

मुंबई लोकल सेवा भी आम यात्रियों के लिए बंद ही रखी गई है। नई नियमावली में मुंबई लोकल का कहीं कोई जिक्र नहीं है

बाकी 11 जिलों में, जहां कोरोना संक्रमण ज्यादा है, वहां प्रतिबंधों में कोई छूट नहीं दी गई है। यहां लेवल 3 के प्रतिबंधात्मक नियम कायम रखे गए हैं। यानी इन 11 जिलों में दुकानें शाम 4 बजे तक ही खुलेंगी और शनिवार और रविवार बंद रहेंगी। ये 11 जिले हैं पुणे, सातारा, सांगली, कोल्हापुर, अहमदनगर, सोलापुर, रायगढ़, रत्नागिरि, सिंधुदुर्ग, बीड, पालघर।

अमेरिकी रिपोर्टः वुहान की लैब में कोरोना वायरस को 'बदल' रहे थे वैज्ञानिक

इंसानों को संक्रमित करने की थी तैयारी

संवाददाता

मुंबई। अमेरिकी रिपब्लिकंस द्वारा सोमवार को जारी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि समूची दुनिया में कोरोना महामारी फैलाने वाला वायरस चीन की वुहान लैब से लीक हुआ था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि वुहान इंस्टीट्यूट आफ वायरोलॉजी के वैज्ञानिक कोरोना वायरस को बदलने का प्रयास कर रहे थे ताकि इससे इंसानों को संक्रमित किया जा सके।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अंतरिक्ष में समन्वय

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का कुछ देर के लिए नियंत्रण से बाहर हो जाना चिंता की बात है। यह कुछ विकसित देशों का साझा उपक्रम है, जिस पर पूरी दुनिया की निगाह है। अंतरिक्ष संबंधी शोध के लिए विकसित हो रहे इस अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र को संबंधित देश अपने-अपने हिसाब से नियंत्रित व संचालित करने में लगे हैं, इसी का नतीजा है कि यह केंद्र करीब 45 मिनट तक नियंत्रण से बाहर हो गया था। खास बात यह है कि रूसी मॉड्यूल ने, जिसका नाम नौका है, अंतरिक्ष स्टेशन को नियंत्रण से बाहर क्यों कर दिया, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। हालांकि, रूसी अधिकारियों ने इसके लिए अल्पकालिक सॉफ्टवेयर विफलता को जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी नासा के अंतरिक्ष स्टेशन कार्यक्रम प्रबंधक के अनुसार, रूसी अनुसंधान मॉड्यूल नौका के जेट थ्रस्टर्स की अनियोजित फायरिंग के कारण आईएसएस ने अपनी दिशा बदल दी। शुरूआती जांच में यह साफ हो गया है कि गड़बड़ी रूसी अंतरिक्ष एजेंसी की ओर से हुई है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी कंपनी एनर्जिया के डिजाइनर जनरल व्लादिमीर सोलोविओव ने अपने बयान में कहा है कि बहुद्देशीय प्रयोगशाला मॉड्यूल के थ्रस्टर्स को सक्रिय करने के लिए एक सीधा आदेश गलती से जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर की विफलता के कारण अंतरिक्ष केंद्र की दिशा में कुछ बदलाव हुआ। रूसी एजेंसी द्वारा कमी को मानना अच्छी बात है, लेकिन अंतरिक्ष केंद्र में किसी हल्के या मामूली से लगने वाले बदलाव को भी गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसे केंद्र बहुत मुश्किल से सालों की मेहनत से खड़े होते हैं, उन पर किसी प्रयोग में गलती नहीं होनी चाहिए। वैसे गलती सुधारने के लिए रूसी एजेंसी भी सक्रिय हो गई थी, पर इसमें नासा का योगदान ज्यादा माना जा रहा है। अंतरिक्ष केंद्र को जमीनी वैज्ञानिकों की टीम ने फिर सही दिशा में डाल दिया है। अब कई सवाल खड़े हो गए हैं। क्या अमेरिकी व रूसी अंतरिक्ष एजेंसी में होड़ तेज हो रही है? क्या दोनों एजेंसियां अपने-अपने हिसाब से अंतरिक्ष केंद्र का नियंत्रण हासिल करना चाहती हैं? ह्यूस्टन, टेक्सास में जॉनसन स्पेस सेंटर में नासा के विशेषज्ञों का हवाला देते हुए रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने अंतरिक्ष स्टेशन पर नियंत्रण हासिल करने के संघर्ष को दो मॉड्यूल के बीच की रस्साकशी के रूप में वर्णित किया है। वैज्ञानिकों और विकसित देशों की सरकारों को सजग हो जाना चाहिए। जो अंतरिक्ष केंद्र मिल-जुलकर बना है, उसे समन्वय के साथ चलाने में ही दुनिया की भलाई है। ध्यान रहे, जब अंतरिक्ष केंद्र में समस्या पैदा हुई, तब उसमें सात वैज्ञानिक-चालक सवार थे। उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ है। गौर करने की बात है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन बाहरी अंतरिक्ष में शोध स्थल है, जिसे पृथ्वी की निकटवर्ती कक्षा में स्थापित किया गया है। यह परियोजना 1998 में शुरू हुई थी और 2011 में बनकर तैयार हुई। यह स्टेशन अब तक बनाया गया सबसे बड़ा मानव निर्मित उपग्रह है। इसे बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अमेरिका, रूस, जापान, कनाडा और यूरोपीय देशों को सतर्क होकर आगे बढ़ना चाहिए, ताकि उनके बीच परस्पर विश्वास बना रहे, जिससे इस केंद्र को आगे बड़ी कामयाबियां हासिल हों।

नेहरू ही नहीं सभी हिंदू दोषी!

कश्मीर मसले का एक टर्निंग प्वाइंट 1946-48 का वह संक्रमण काल है, जिसमें जवाहरलाल नेहरू सहित भारत के पहले सर्वदलीय कैबिनेट ने गलतियां की तो महाराजा हरि सिंह ने अपने पांवों खुद कुल्हाड़ी मारी। इससे शेख अब्दुल्ला की महत्वाकांक्षाओं को पंख लगे। उधर लॉर्ड माउंटबेटन ने जान बूझकर या अनजाने नेहरू और कैबिनेट को ऐसी गलत राय दी, जिससे मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण हुआ। मसला दुनिया का स्थायी विवाद हो गया। इस सबके अंत परिणाम में घाटी में वह जमीन तैयार हुई, जिससे आज वहां इंसानियत की जगह इस्लामियत में सब ढला है। उन तीन सालों में हिंदुओं ने दुनिया को, संयुक्त राष्ट्र व बाकी सभ्यताओं को बताया कि वे राज करना नहीं जानते। जैसे आज हिंदू सत्तावानों का व्यवहार है वैसा ही तब भी था। कांग्रेस के नेताओं, कांग्रेस कार्यसमिति, कैबिनेट में कभी यह एप्रोच दिखी ही नहीं कि यदि कोई मसला है तो इतिहास के आईने में, अनुभव के सत्य में और अलग-अलग एक्सपर्ट राय पर विचार करके सामूहिक जिम्मेवारी से फैसला हो। तभी फालतू बात है कि सरदार पटेल यदि कश्मीर को हैंडल कर रहे होते तो संकट नहीं बनता। पटेल बतौर गृह मंत्री और उनके सचिव वीपी मेनन ही रियासत से बात करते हुए थे। महाराजा हरि सिंह और नेहरू की तो एक-दूसरे से बात-मुलाकात का रिकार्ड ही नहीं है। फिर यदि नेहरू से गलती होते हुए पटेल को लगता तो वे कांग्रेस कार्यसमिति, कैबिनेट या गांधी के जरिए नेहरू से मसला छुड़वा कर अपने हाथों में कमान ले सकते थे। दूसरी बात महाराजा हरि सिंह की दुविधा को जानते हुए पटेल खुद उन्हें गारंटी दे कर या डरा कर उनसे तुरंत फैसला करवा सकते थे। जम्मू इलाके में मुस्लिम बगावत के तुरंत बाद ही पटेल महाराजा से अनुरोध करवा कर बिना विलय के भी सेना भिजवा सकते थे। तथ्य है शेख अब्दुल्ला और पंडित नेहरू की केमिस्ट्री से आशंकित जम्मू-कश्मीर रियासत के महाराजा हरि सिंह ने एक राय बहादुर, एक हाई कोर्ट जज के जरिए पटेल से संवाद बनाया था। ऐसे

ही नेहरू ने जनमत संग्रह का आइडिया बनाया व माउंटबेटन ने झगड़े को सुलटाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में जाने का नेहरू को सुझाव दिया तो फैसले के लिए कैबिनेट में भी विचार हुआ। ध्यान रहे तब कैबिनेट (दो सितंबर 1946 के दिन बतौर अंतरिम भारत सरकार का गठन) में कांग्रेस, पंथिक पार्टी, शिड्यूल कास्ट फेडरेशन, हिंदू महासभा के नेहरू-पटेल-बलदेव सिंह (सिख रक्षा मंत्री) भीम राव आंबेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे दिग्गज मंत्री थे (श्यामा प्रसाद अप्रैल 1950 तक कैबिनेट मंत्री थे)। इस कैबिनेट में कई बार कश्मीर के एजेंडे पर विचार हुआ होगा। तभी सवाल है कि संपूर्ण हिंदू समाज के प्रतिनिधि और अब तक के अनुभव के पहले व आखिरी सर्वदलीय कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर को लेकर कैसी रणनीति बनाई, क्या विचार किया?

जवाब में कह सकते हैं कि जम्मू-कश्मीर के मामले में अकेले नेहरू नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेवारी वाला मंत्रिमंडल फेल था। 1946-1948 के संक्रमण काल में नेहरू फेल थे तो पटेल भी फेल थे और श्यामा प्रसाद मुखर्जी व जबरदस्त सिख नेता बलदेव सिंह भी फेल थे। जबकि भारत के हम लोग किस झूठ में अंधे हैं कि कश्मीर समस्या नेहरू की गलतियों से है! असल बात है कि हिंदुओं के भयाकुल होने, सत्य को झुठलाने और मुंगरीलाल वाले ख्यालों से भारत का पहला मंत्रिमंडल कश्मीर मसले को सही ढंग से हैंडल नहीं कर पाया। जैसे मौजूदा कैबिनेट में कोई बोलता नहीं है, विचारता नहीं है वैसे ही तब था। जैसे आज आईएएस अफसर प्रधानमंत्री व मंत्रियों के गुरू हैं वैसे ही तब अंग्रेजों से ट्रेंड आईसीएस अफसर कैबिनेट चलाते थे। तथ्य है नेहरू, पटेल कम और अधिकारी वीपी मेनन कश्मीर मसले में अधिक भागदौड़ करते हुए थे। जैसे आज अफसरों से नाश है वैसे ही तब था। संक्रमण काल का यह विवरण पढ़ना शर्मनाक है कि कैसे आजाद भारत की सर्वदलीय सरकार ने गृह, रक्षा और कूटनीति के तीनों मोर्चों में जम्मू-कश्मीर के भीतर भी और संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद् व लंदन-वाशिंगटन-बीजिंग की राजधानियों में भी मखौल बनवाया। भारत के नेता महाराजा हरि सिंह से फटाफट फैसला कराने में फेल थे तो संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद् में भी हम हर तरह से फेल थे। कबाईलियों को सीमा पार खदेड़ने याकि मर जाएंगे लेकिन घाटी को पूरा खाली कराएंगे का संकल्प नहीं बना (क्योंकि प्रधानमंत्री नेहरू में पाकिस्तान से पूर्ण लड़ाई की हिम्मत नहीं थी। उन्हें अंग्रेज डराते हुए थे। जबकि जमीनी हकीकत में कबाईलियों को तब सचमुच पूरा पीछे खदेड़ा जा सकता था)। क्या ये सब बातें गलत हैं? दरअसल सत्य के साथ व्यवहार, रीति-नीति बनाने के भयाकुल दिमाग में संस्कार नहीं होते हैं तो सत्य बूझता नहीं। तभी मुझे अपने शंकर शरण द्वारा बार-बार उल्लेखित रविंद्रनाथ टैगोर का वाक्य कचोटता है कि 'सत्य को हम अस्वीकार करते हैं, तभी सत्य के हाथों हमारी पराजय होती है।' यह वाक्य आजाद भारत के अनुभव का कुल सार है। हिंदू राजा-हाकिम सत्य में व्यवहार नहीं करता है, बल्कि असत्य, झूठ, मूर्खताओं-मुगालतों में जीता है। प्रजा को झूठ के झूले झुलाता है और मानता है उससे बड़ा सर्वज्ञ दूसरा नहीं! पंडित नेहरू ब्रिटेन के हैरो, ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में पढ़े थे। वे फेबियन समाजवाद की रूमानियत में उदारवादी-लोकतांत्रिक और आधुनिकता की समझ लिए हुए थे। इसी से उनके दिल-दिमाग में सर्वज्ञता, रूमानीपना, खामोख्याली थी। 1947 से पहले वे बिना प्रशासनिक अनुभवों के थे तो माउंटबेटन-आईसीएस अफसरों की सलाह से चलने को मजबूर थे। मेरे लिए हैरानी वाली पहेली रही है कि नेहरू-गांधी-पटेल तीनों ने अपने जीवन में इस्लाम की कट्टरता, क्रूरता और जिद को भुगता।

विश्व-संस्था में भारत को नया मौका

संयुक्तराष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद ऐसी संस्था है, जो सबसे शक्तिशाली है। इसके पांच सदस्य स्थायी हैं। ये हैं- अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन। इन पांचों सदस्यों को वीटो का अधिकार है। अर्थात यदि इन पांचों में से एक भी किसी प्रस्ताव का विरोध कर दे तो वह पारित नहीं हो सकता। इन पांच के अलावा इसके 10 साधारण सदस्य हैं, जो दो साल के लिए चुने जाते हैं। भारत कई बार इस परिषद का साधारण सदस्य रह चुका है लेकिन यह पहली बार हुआ है कि भारत ने इस सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष की तौर पर आज 1 अगस्त से अपना काम शुरू कर दिया है। वैसे तो संयुक्तराष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ही प्रायः अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठेंगे लेकिन खबर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस अवसर को छूटने नहीं देंगे। वे 9 अगस्त को अध्यक्षता करेंगे। यों तो प्रधानमंत्री नरसिंहराव भी सुरक्षा परिषद की बैठक में एक बार शामिल हुए थे

लेकिन शामिल होने और अध्यक्षता करने में बड़ा फर्क है। देखना है कि भारतीय अध्यक्षता का वह दिन ठीक से निभ जाए। अपनी अध्यक्षता के कार्यकाल में भारत क्या वही करेगा, जो दूसरे देश करते रहे हैं? अभी जो खबरें सामने आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि भारत तीन मुद्दों पर सबसे ज्यादा जोर देगा। एक तो सामुद्रिक सुरक्षा, दूसरा शांति-व्यवस्था और तीसरा आतंकवाद-विरोध! ये तीन मुद्दे महत्वपूर्ण और अच्छे हैं। हो सकता है कि पिछले हफ्ते जैसा कि मैंने सुझाया था, भारत की अध्यक्षता के दौरान एक साल के लिए अफगानिस्तान में संयुक्तराष्ट्र की शांति सेना को भेजने का सुरक्षा परिषद फैसला कर ले और वहां चुनाव के द्वारा लोकप्रिय सरकार कायम करवा दे तो भारत की अध्यक्षता एतिहासिक और चिर-स्मरणीय हो जाएगी। इसके अलावा भारत की अध्यक्षता में यदि दुनिया को परमाणुशस्त्रविहीन बनाने की कोशिश हो तो संपूर्ण मनुष्य जाति भारत की आभारी होगी। यह काम अत्यंत कठिन और लगभग असंभव है लेकिन यदि भारत के पास कोई महात्मा गांधी जैसा प्रधानमंत्री होता तो शायद महाशक्तियां उसका आग्रह मान लेंती। फिर भी भारत को इस दिशा में अपना प्रयत्न जारी रखना चाहिए। परमाणु-विध्वंस जैसा खतरा उस सूक्ष्म विध्वंस से भी है, जो पर्यावरण के प्रदूषण से हो रहा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, मंगलवार
3 अगस्त, 2021

पोर्न फिल्म केसः राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद शिल्पा शेट्टी का पहला बयान, कहा- हमारी प्राइवेसी का सम्मान हो, मीडिया ट्रायल भी बंद करें

मुंबई। पोर्न फिल्म केस में राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद पहली बार शिल्पा शेट्टी का स्टेटमेंट सामने आया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर दो पेज का नोट पोस्ट कर लिखा है कि हमारी प्राइवेसी का ध्यान रखा जाए। मुझे कानून पर पूरा भरोसा है। हमारा मीडिया ट्रायल बंद हो। उन्होंने अपील की, 'हमारे बच्चों की खातिर हमारे परिवार की प्राइवेसी का सम्मान कीजिए।' राज कुंद्रा के जेल जाने के बाद से शिल्पा शेट्टी को लेकर कई अफवाहें जोरों पर हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर भी वे जमकर ट्रोल हो रहीं हैं। ट्रोलिंग को लेकर

एक्ट्रेस ने लिखा कि वे अभी चुप हैं और आगे भी चुप ही रहेंगी। समय के साथ सच खुद ही सबके सामने आ जाएगा। शिल्पा ने दो पेज के नोट में लिखा, हां पिछले कुछ दिन हर तरह से मुश्किल भरे रहे हैं। हम पर कई आरोप लगे और अफवाहें भी फैलीं। मीडिया और मेरे कथित शुभचिंतकों ने मेरे और परिवार के बारे में कई बातें कहीं। मेरे पूरे परिवार को ट्रोल किया जा रहा है। हम पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस मामले में मेरा स्टैंड यह है कि मैंने अभी तक कुछ नहीं कहा है और मैं आगे भी चुप ही रहूंगी। मेरे नाम पर झूठी बातें ना बनाएं।

आधी-अधूरी जानकारी पर कमेंट न करें: एक्ट्रेस ने लिखा, एक सेलिब्रिटी के तौर पर मेरी फिलॉसॉफी है कभी शिकायत मत करो और कभी सफाई मत दो। मैं बस यही कहूंगी कि अभी जांच चल रही है। मुझे मुंबई पुलिस और भारत के न्यायालय पर भरोसा है। एक परिवार के तौर पर हम कानूनी मदद ले रहे हैं। तब तक मैं आपके निवेदन करती हूं, खासकर एक मां के तौर पर, कि हमारे बच्चों की खातिर हमारे परिवार की प्राइवेसी का सम्मान कीजिए। साथ ही मैं निवेदन करती हूं कि आधी-अधूरी जानकारी पर बिना सच जाने कमेंट करना बंद करें।

शिल्पा ने किया है 25 करोड़ की मानहानि का केस: इससे पहले एक्ट्रेस ने इस मामले की मीडिया रिपोर्टिंग के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया था। एक्ट्रेस ने 29 मीडिया संस्थानों और पत्रकारों पर झूठी खबरें प्रकाशित और प्रसारित करने का आरोप लगाते हुए 25 करोड़ रुपए की मानहानि का दावा किया है। हालांकि, शनिवार को हुई सुनवाई के दौरान एक्ट्रेस को ज्यादा राहत नहीं मिली और अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 20 सितंबर के लिए टाल दी है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था कि सूत्रों के आधार पर चल रही खबरों में कोई मानहानि नहीं है।

मुंब्रा कौसा से लगातार भेजी जा रही है मदद कोकन इलाके के प्रभावित बाढ़ पीड़ितों के लिए

संवाददाता/समद खान

मुंबा। कोकन इलाके में आए बाढ़ से प्रभावित कोल्हापुर सतारा सांगली महाड खेड चिपलुन ऐसे कई गॉव हैं जो पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में आने से पूरी तरह से तबाह और बर्बाद हो गए हैं बाढ़ पीड़ितों से प्रभावित लोगों के लिए लगातार मुंब्रा कौसा से मदद भेजी जा रही है किस्मत वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष जावेद मेडिकल और राष्ट्रीय उलमा एसोसिएशन द्वारा कोकन इलाके में राहत सामग्री भेजने का सिलसिला लगातार कई दिनों से चल रहा है यह संस्था ने बाढ़ पीड़ित प्रभावित लोगों के लिए चावल दाल आटा नमक ऐसे इत्यादि चीज जोकि घर में इस्तेमाल होने वाली है यह दोनों संस्था द्वारा भेजा जा रहा है किस्मत वेलफेयर एसोसिएशन अध्यक्ष जावेद मेडिकल ने कहा कोकन इलाके के एक गांव है जोकि खेड से सटा हुआ है उस गांव में डेढ़ सौ परिवार वाले पूरी तरह से बदहाली से अपने दिन गुजार रहे हैं उन लोगों के लिए शहर वासियों की मदद से घर का राशन भेजा जा रहा है और साथ साथ राहत सामग्री भी जा रही है और उन्होंने कहा कि इसी तरह की मदद कोकन इलाके के लिए हम लोग करते रहेंगे।

शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुंबई में 'अडानी हवाईअड्डा' लिखे साइनबोर्ड को तोड़ा

मुंबई। शिवसेना कार्यकर्ताओं के एक समूह ने सोमवार दोपहर मुंबई में हवाईअड्डे के समीप छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास 'अडानी हवाईअड्डा' लिखे एक साइनबोर्ड को कथित तौर पर तोड़ दिया। उन्होंने साइनबोर्ड के खिलाफ नारेबाजी की। हवाई अड्डे का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखा गया है। अधिकारी ने बताया कि कुछ कार्यकर्ता बाद में पास में स्थित वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर आ गए, जिससे शहर के मुख्य उत्तर-दक्षिण मार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। उन्होंने बताया कि घटना में शामिल कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। अडानी समूह ने पिछले महीने कहा था कि उसने जीवीके समूह से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया है। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा यात्री और माल यातायात दोनों मामले में देश का दूसरा सबसे व्यस्त हवाई अड्डा (दिल्ली के आईजीआईए के बाद) है। कंपनी ने एक बयान में

कहा कि मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड के जुड़ने के साथ, अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड का अब भारत के हवाई कार्गो यातायात के 33 प्रतिशत पर नियंत्रण हो गया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्रः लॉकडाउन के नियमों में ढील

लेकिन यह स्पष्ट कर दें कि मुंबई और ठाणे के लिए इस नियमावली में छूट की घोषणा नहीं की गई है। मुंबई-ठाणे से संबंधित निर्णय आपदा प्रबंधन विभाग पर छोड़ा गया है। मुंबई ठाणे में कोरोना संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में होने के बावजूद इनकी विशेष स्थिति होने की वजह से ऐसा किया गया है। यानी 22 जिलों में ब्रेक द चेन मुहिम के तहत लॉकडाउन से जुड़े प्रतिबंधों में छूट दी गई है। 3 जगहों - मुंबई, मुंबई उपनगर, ठाणे से जुड़े प्रतिबंधों पर निर्णय का अधिकार आपदा प्रबंधन विभाग पर छोड़ा गया है। बाकी 11 जिलों में, जहां कोरोना संक्रमण ज्यादा है, वहां प्रतिबंधों में कोई छूट नहीं दी गई है। यहां लेवल 3 के प्रतिबंधात्मक नियम कायम रखे गए हैं। यानी इन 11 जिलों में दुकानें शाम 4 बजे तक ही खुलेंगी और शनिवार और रविवार बंद रहेंगी। ये 11 जिले हैं पुणे, सातारा, सांगली, कोल्हापुर, अहमदनगर, सोलापुर, रायगढ़, रत्नागिरि, सिंधुदुर्ग, बीड, पालघर। प्राइवेट और सरकारी ऑफिस 100 प्रतिशत क्षमता से शुरू कर दिए गए हैं। सिर्फ भीड़ ना बढ़े इसका ध्यान रखने को कहा गया है। जो ऑफिस वर्क फ्रॉम होम के तहत चालू रह सकते हैं, उन्हें वैसे ही शुरू रखें। होटल- रेस्टॉरेंट 50 प्रतिशत क्षमता के साथ शाम 4 बजे तक शुरू रहेंगे।इसके बाद पार्सल सेवा शुरू रहेगी। मॉल भी सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे तक शुरू रहेंगे। शनिवार को दोपहर 3 बजे तक शुरू रहेंगे। जिम, स्पा, योगा सेंटर और सलून भी रात 8 बजे तक 50 प्रतिशत क्षमता के साथ शुरू कर दिए गए हैं। लेकिन एसी का इस्तेमाल नहीं करना होगा। इन सभी जगहों में रविवार बंदी रहेगी। व्यायायाम, साइकिलिंग, जॉगिंग के लिए गार्डन और खेल के मैदान खोल दिए गए हैं। खेती के काम, उद्योग और यातायात सेवा 100 प्रतिशत क्षमता के साथ शुरू रहेंगे। स्कूल-कॉलेज के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। स्कूल कॉलेज से संबंधित निर्णय राज्य का शिक्षा विभाग लेगा। मुंबई लोकल सेवा भी आम यात्रियों के लिए बंद ही रखी गई है। नई नियमावली में मुंबई लोकल का कहीं कोई जिक्र नहीं है। विपक्ष लगातार वैक्सीन के दोनों डोज ले चुके लोगों के लिए लोकल सेवा शुरू करने की मांग कर रहा था। आज (2 अगस्त)को बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी सरकार से सरकार से सवाल किया है कि दोनों डोज ले चुके लोगों को मुंबई लोकल पर यात्रा नहीं करने देने की वजह क्या है? हाईकोर्ट में अगली सुनवाई गुरुवार को है। तब देखना है कि मुंबई लोकल से जुड़ी खबर आती है या नहीं? चिकित्सा ऑक्सीजन के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि एक आकलन के मुताबिक संभावित तीसरी लहर के दौरान एलएमओ की संख्या दूसरी लहर की तुलना में दोगुनी कर दी जाएगी। समाज के सभी तबके को लोकल ट्रेनों से यात्रा की अनुमति देने के बारे में उन्होंने कहा कि 'पहले चरण में' इस पर निर्णय करना कठिन होगा क्योंकि हम धीरे-धीरे पाबंदियों में ढील दे रहे हैं और इसके प्रभाव एवं दुष्प्रभावों का विश्लेषण कर आगे बढ़ रहे हैं।

अमेरिकी रिपोर्टः वुहान की लैब में कोरोना वायरस को 'बदल' रहे थे वैज्ञानिक

इस हेराफेरी को गोपनीय ढंग से किया जा रहा था। यह रिपोर्ट समाचार एजेंसी रॉयटर ने अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी के सूत्रों के हवाले से दी है। हालांकि अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इस नतीजे पर नहीं पहुंची हैं। यह भी दावा किया गया है कि अमेरिकी विशेषज्ञ और चीन व अमेरिकी के सरकारी फंड की मदद से यह काम किया जा रहा था। अमेरिकी पार्टी के सांसद व सदन की विदेश मामलों की कमेटी के प्रमुख माइक मैकॉल ने यह रिपोर्ट जारी की। इसमें आग्रह किया गया कि कोविड-19 महामारी का मूल पता करने के लिए बहुदलीय जांच होना चाहिए, जिसके कारण पूरी दुनिया के 44 लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वुहान लैब से कोरोना वायरस लीक होने को लेकर पहले भी कई बार दावे किए जाते रहे हैं, हालांकि चीन इस लैब से जेनेटिक रूप से संशोधित कोरोना वायरस लीक होने के दावे का खंडन करता रहा है। हैरानी की बात यह है कि चीन भले इनकार करे मगर 2019 में कोविड-19 का पहला संक्रमित वुहान में ही मिला था। कुछ विशेषज्ञ इसी थ्योरी पर यकीन करते हैं, लेकिन यह साबित नहीं हुई है। चीन इस मामले पर पर्दा डालने के आरोप से भी इनकार करता है। कुछ अन्य विशेषज्ञ मानते हैं कि महामारी किसी जानवरी से इंसान में फैली। संभवतः यह वुहान लैब के पास स्थित सी फूड मार्केट से किसी इंसान में आई। चीन के दावों के विपरीत अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि वायरस वुहान लैब से ही 12 सितंबर 2019 के पहले लीक हुआ। इससे पहले अप्रैल में अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने कहा था कि वह इस बात से सहमत है कि वायरस मानव निर्मित या आनुवंशिक रूप से परिवर्तित नहीं किया गया।

हम दो, हमारे दो का वीडियो शेयर किया, मंडाविया बोले- आपने वैक्सीन लगवा ली

संवाददाता / नई दिल्ली

राहुल का 'हैप्पी फ्रेंडशिप डे' पर तंज

फ्रेंडशिप डे के मौके पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की है। वीडियो शेयर करते हुए राहुल गांधी ने कैप्शन में लिखा कि 'हम दो, हमारे दो की सरकार को हैप्पी फ्रेंडशिप डे'।

इस कैप्शन के बहाने राहुल गांधी ने बिना नाम लिए मोदी सरकार को कुछ उद्योगपतियों के लिए काम करने वाली सरकार होने का आरोप लगाया। उनका इशारा गौतम अडानी और मंकेश अंबानी पर था।

ये लिखा कैप्शन में

सांसद राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में पीएम मोदी कुछ उद्योगपतियों के साथ नजर आ रहे है। बता दें कि यह वीडियो तीन घंटे पहले शेयर किया गया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए राहुल गांधी ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी फ्रेंडशिप डे टू 'हम दो, हमारे दो' की सरकार'।

टीकों की कमी पर राहुल पर स्वास्थ्य मंत्री का पलटवार

देश में कोरोना वायरस टीके की कमी को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। मंडाविया ने कहा 'भारत में जुलाई महीने में 13 करोड़ से अधिक टीके लगाए गए हैं। इस महीने इसमें और तेजी आने वाली है। इस उपलब्धि के लिए हमें अपने स्वास्थ्यकर्मियों पर गर्व है। अब तो उन पर और देश पर आपको भी गर्व होना चाहिए।' रअसल, राहुल ने एक ट्वीट करते हुए कहा था कि जुलाई चला गया है, वैक्सीन की कमी नहीं गई। राहुल गांधी ने अपने ट्वीट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया था जिसमें वैक्सीन की कमी को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया में चल रही खबरों के बारे में बताया गया था।

देशभर में जुलाई में लगे 13 करोड़ से अधिक टीके

मंडाविया ने रविवार को अपने एक ट्वीट में कहा कि भारत में जुलाई महीने में 13 करोड़ से अधिक टीके लगाए गए हैं। मंडाविया ने राहुल के कोरोना वैक्सीन की कमी को लेकर किए गए ट्वीट के जवाब में यह बात कही है। इससे पहले राहुल ने एक वीडियो शेयर करते हुए अपने एक ट्वीट में लिखा था कि 'जुलाई चला गया है, वैक्सीन की कमी नहीं गयी।' मंडाविया ने अपने ट्वीट में लिखा 'भारत में जुलाई महीने में 13 करोड़ से अधिक टीके लगाए गए हैं। इस महीने इसमें और तेजी आने वाली है। इस उपलब्धि के लिए हमें अपने स्वास्थ्यकर्मियों पर गर्व है।

सीआईएसआर का खुलासा

कब और कैसी होगी कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर? अनुमान लगाना मुश्किल

देशभर में कोरोना वायरस के मामलों में एक बार फिर इजाफा हो रहा है। खासकर केरल, तमिलनाडु में जिस तरह से संक्रमण का ग्राफ ऊपर जा रहा है उसे देखकर ये माना जा रहा है कि इस महामारी की तीसरी लहर है। कोरोना की तीसरी लहर पर वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने बड़ा खुलासा किया है। महानिदेशक डॉ. शेखर सी मांडे ने कहा, ये तो निश्चित है कि तीसरी लहर आएगी, लेकिन यह कब आएगी और क्या लक्षण होंगे इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। टीकाकरण और मास्क पहनने से निश्चित रूप से तीसरी लहर की तीव्रता को कम करने में मदद मिलेगी।

फिल्म सेलिब्रिटी योगा ग्रैंड मास्टर योग गुरु राधेश्याम व मुंबई अध्यक्ष विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा रक्तदान शिविर में पहुंचे

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के माननीय अध्यक्ष विधायक श्री मंगल प्रभात जी लोढ़ा, दक्षिण मुंबई अध्यक्ष श्री शरद चिंतनकर जी, महामंत्री श्री राजेश जी मिश्रा के नेतृत्व में व वर्ली विधानसभा अध्यक्ष श्री दीपक जी पाटील की सानिध्यता में दक्षिण मुंबई सचीव श्रीमती प्रेमलता ललवाणी जैन ने वर्ली विधानसभा में मेघा ब्लड डोनेशन कैंप व हेल्थ चेकअप, अवरनेस कैंप का आयोजन किया। कैंप का उद्घाटन श्री मंगल प्रभात जी लोढ़ा ने किया। उनके साथ में अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे। शांतिनाथ श्वेताम्बर जैन भवन में उनके साथ कार्यकर्ताओं ने लोकमान्य तिलक को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। माननीय अतिथियों का शॉल व पुस्तक द्वारा स्वागत किया गया। अनेकों ब्लड दान दाताओं ने उत्साह पुर्वक भाग लिया। रक्तदान अभियान बहुत ही सफल रहा और प्रत्येक दाता को धन्यवाद स्वरूप श्रीमती प्रेमलता बाबूलाल ललवाणी जैन ने उपहार देकर पुरस्कृत किया। डॉक्टर सेल की अध्यक्षा डॉ. स्मिता काले, डॉ. तेजस जाधव और धनवंतरी वैधकीय संस्था के अध्यक्ष श्री स्वपनिल जगदाले ने विटामिन सी व मास्क दिये। यह शिविर बहुत अनूठा था इस शिविर में सभी स्पेस्लिस्ट डॉ सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक आदि चिकित्सकों ने अपनी सेवा प्रदान की। शिविर में आने वालों ने डायबिटीज टेस्ट, ब्लड टेस्ट, स्त्री रोग चिकित्सा करवा कर लाभ लिया। इस मौके पर भाजपा नेता श्री विजयजी गोवलकर, जिला सचीव सुमनजी त्रिपाठी, पूर्व नगरसेविका उज्जवला जी जाधव, विधानसभा सचीव नंदकिशोर तिवारीजी, विधानसभा महिला अध्यक्षा श्रीमती साक्षी सावंत सभी वार्ड के अध्यक्ष, पदाधिकारी व कार्यकर्ता द. जिला राजस्थान सेल के श्री हिरालालजी जैन, बीजेएम के पूर्व अध्यक्ष श्री राकेश जी सोलंकी, नाकोड़ा मंडल से रमेश जी कानूंगा, वरली जैन भवन के अध्यक्ष श्री हीरालाल जी जैन, बाबूलाल जी ललवाणी, संजयजी माहड़केर थाणे से कौशिकजी वेद, योगगुरु राधेश्याम जी, इंटरनेशनल नारी शक्ति सम्मान से डॉ. कल्पना जी पत्रावाला ने अपनी सेवा प्रदान की व जीजा भटाचार्यजी, बिस्मीजी, वसुधा जी बोरकर ने इंटरनेशनल नारी शक्ति सम्मान की अध्यक्षा प्रेमलता ललवाणी जैन का अभिवादन वयक्त कियाऔर थाणे ग्रुप ने बाढ़ पीड़ितों के लिए 15 पैकेट विभिन्न आवश्यक सामग्री दी। अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति से शिविर बहुत ही सफल रहा। सायन अस्पताल और डॉक्टरों की पूरी टीम ने चिकित्सा शिविर में शानदार सहयोग प्रदान किया मानवता की सेवा ईश्वर की सेवा है और जिसका यह एक अच्छा उदाहरण था। साथ ही शिविर में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की मदद के लिए भी बहुत सामान इकट्ठा हुआ। (बेडशीट, गाऊन, साड़ीयां, कपड़े, चटाईयां, दवाईयां, सर्फ, स्लीपर्स, खाद्य साम्रगी आदि)। ह्यूमन योगा फाऊंडेशन व इंटरनेशनल नारी शक्ति सम्मान के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री योगगुरु राधेश्याम ने कार्यक्रम में आकर सभी का उत्साहवर्धन किया और स्वस्थ जीवन के लिए योग का महत्व बताया। मुंबई हलचल पत्र के संपादक श्री दिलशाद भाई के माध्यम से सुनील और सीनियर रिपोर्टर राकेश कुमार जन विकास का प्रचार करते हुए कहा श्री राधे श्याम का काम करने का जज्बा तारीफ के काबिल है वे महिलाओं को एक स्टेज पर लाकर बहुत सराहनीय कार्य करते हैं। सभी ने अध्यक्षा श्रीमती प्रेमलता ललवाणी जैन के द्वारा लिए गए समाज सेवा के कार्यों की प्रशंसा की।

तमिलनाडु और कर्नाटक ने बचाव में उठाए सख्त कदम

कोरोना फिर एक बार केरल में बेकाबू होने से पड़ोसी राज्यों में फैली दहशत

संवाददाता / नई दिल्ली

देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 41,831 नए केस सामने आए हैं जिसके साथ संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 3,16,55,824 हो गया है।

बीते 24 घंटे में महामारी से 541 लोगों की मौत हो गई जिससे महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,24,351 हो गई है। संक्रमितों के इन आंकड़ों में बड़ा हिस्सा केरल का है। केरल में महामारी बेकाबू होती जा रही है। केरल में बीते कुछ दिनों से लगातार 20 हजार से ज्यादा केस सामने आ रहे हैं।

24 घंटे में कोरोना महामारी से 541 लोगों की मौत, मरने वालों की संख्या 4,24,351 पर पहुंची

केरल में संक्रमण की दर 12.31 फीसदी

मौजूदा समय में केरल में संक्रमण की दर 12.31 फीसदी पर पहुंच गई है। केरल में बिगड़ते हालात को देखते हुए पड़ोसी राज्यों कर्नाटक और तमिलनाडु ने महामारी की रोकथाम के लिए सख्त पाबंदियां लगानी शुरू कर दी हैं। कर्नाटक सरकार ने केरल से केवल उन्हीं लोगों को राज्य में दाखिल होने की अनुमति दी है जिनके पास यात्रा के 72 घंटों के भीतर का आरटी-पीसीआर निगेटिव जांच रिपोर्ट होगी।

हाल ही में किए गए एक अध्ययन में सामने आई जानकारी

जनसंख्या स्तर पर विविध रूपों में दिखाई देता है कोरोना वायरस का जीनोम म्यूटेशन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस को लेकर देश के वैज्ञानिक दिन-रात शोध में जुटे हुए हैं। एक अनुसंधान में कहा है कि किसी संक्रमित व्यक्ति में सार्स-कोव-2 वायरस के जीनोम में होने वाला म्यूटेशन जनसंख्या स्तर पर विविध स्वरूपों में दिखाई देता है। वैज्ञानिकों का अनुसंधान वायरस के स्वरूपों के प्रसार और संक्रमण प्रभाव पर पूर्वानुमान व्यक्त करने के लिहाज से बेहद उपयोगी साबित होगा। व्यक्तियों और आबादी के बीच वायरस में होने वाले उत्परिवर्तनों पर नजर रख विषाणु स्थलों के बारे में जानकारी मिल सकती है।

ये रहे शामिल

इस अनुसंधान में दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) से संबद्ध जिनोमिकी और समवेत जीव विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर स्थित जीवन विज्ञान संस्थान, गाजियाबाद स्थित वैज्ञानिक और अभिनव अनुसंधान अकादमी, हैदराबाद स्थित सीएसआईआर-कोशिकीय और आण्विक जीवविज्ञान केंद्र (सीएसआइआर-सीसीएमबी) और जोधपुर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के अनुसंधानकर्ता शामिल थे।

देश में पिछले 24 घंटों में आए कोरोना संक्रमण के 41 हजार से ज्यादा मामले, 541 मरीजों की मौत

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। देश भर में बीत 24 घंटों में कोरोना के 41 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को देश में कोरोना के 41,831 नए मामले दर्ज किए गए। इस दौरान कोरोना संक्रमण के चलते 541 मरीजों की जान गई, जबकि 39,258 लोगों ने संक्रमण को मात दी। अब एक्टिव मामलों की संख्या 4,04,804 हो गई है। इसके साथ ही देश में कोरोना के कुल 3.16 करोड़ मामले हो गए हैं। अब तक कुल 3.08 करोड़ लोग रिकवर हुए हैं, जबकि 4.24 लाख लोगों की जान जा चुकी है।

कर्नाटक और तमिलनाडु ने अनिवार्य की जांच

कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि केरल से आने वाले यात्रियों को निगेटिव आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट के बिना राज्य में दाखिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी भले ही उन्होंने कोविड रोधी टीकों की दोनों खुराकें क्यों न ली हों। वहीं तमिलनाडु ने केरल से आने वाले केवल उन यात्रियों को अनुमति दी है जिनके पास या तो निगेटिव आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट हो या कोविड-रोधी वैक्सीन की एक खुराक ली हो।

कोरोना से उबरने में अश्वगंधा पर भारत और ब्रिटेन करेंगे परीक्षण

आयुष मंत्रालय के तहत आने वाले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, ब्रिटेन के लंदन स्कूल आफ हाईजीन एवं ट्रापिकल मेडिसिन के साथ मिलकर कोरोना के मरीजों के जल्द स्वस्थ होने में अश्वगंधा के इस्तेमाल की भूमिका का पता लगाने के लिए चिकित्सा परीक्षण करेगा। आयुष मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि ब्रिटेन के तीन शहरों-लीसेस्टर, बरमिंघम और लंदन में दो हजार लोगों पर अश्वगंधा का परीक्षण किया जाएगा। इसको लेकर दोनों संस्थानों के बीच समझौते हो गया है। अश्वगंधा एक पारंपरिक भारतीय जड़ी बूटी है जो ऊर्जा बढ़ाती है, तनाव को कम करती है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है।

शाह की एंट्री से सुलझेगा

अब मिजोरम पड़ा नरम एफआईआर लेगा वापस

संवाददाता / गुवाहाटी

बीते एक हफ्ते से असम के साथ जारी तनाव के बीच मिजोरम के तेवर थोड़े नरम पड़ते दिख रहे हैं।

सीमा पर खूनी संघर्ष के बाद से तनावपूर्ण माहौल के बीच मिजोरम के सीएम जोरामथांगा ने जहां कहा है कि दोनों राज्य अब बातचीत के जरिए विवाद को सुलझाएंगे तो वहीं उनके मुख्य सचिव ने बताया है कि मिजोरम अब असम के सीएम हिमंत बिस्वा के खिलाफ दायर एफआईआर को भी वापस लेने को तैयार हैं। खुद गृह मंत्री अमित शाह इस मसले पर सक्रिय हैं। ऐसे में अब दोनों राज्यों के बीच शांति बहाली

की उम्मीदें की जा रही हैं। मिजोरम के चीफ सेक्रटरी लालननमाविया चुआंगो ने रविवार को बताया कि राज्य सरकार असम चीफ मिनिस्टर के खिलाफ दायर एफआईआर को वापस लेने को राजी है। केंद्र सरकार अब सीमा निर्धारण के लिए आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल करेगी।

दी सच्ची श्रद्धांजलि: कृष्णपाल

शहीद देश की आन, बान शान थे, हैं और रहेंगे: शर्मा

◆ तिरंगा यात्रा में शामिल होने हजारों लोग उमड़े

संवाददाता / फरीदाबाद

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले। बस यही एक निशा बाकी रहेगा, की याद को ताजा करते हुए गत रविवार को केन्द्रीय भारी उद्योग एवं उर्जा विभाग के राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर व हरियाणा के कौशल विकास, खनन एवं परिवहन विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ में शहीदों की याद में राजा नाहर सिंह पार्क में बने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर तिरंगा

यात्रा का शुभारंभ किया।

देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने में और देश की अन्य आजादी लड़ाई की लड़ाई में जिन महान आत्मा आत्माओं के लोगों ने शहादत दी है। उसे भुलाया नहीं जा सकता। वह हमेशा हमेशा सम्मरणीय और हमेशा प्रेरणा दायक रहेगी।

विख्यात फिल्म समीक्षक रशीद ईरानी का 74 वर्ष की उम्र में निधन

मुंबई। विख्यात फिल्म समीक्षक रशीद ईरानी अपने आवास पर मृत पाए गए। वह 74 वर्ष के थे। ईरानी स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से जूझ रहे थे और अकेले रहते थे। उनके नजदीकी दोस्त रफीक इलियास के अनुसार, दक्षिण मुंबई के पास धोबीतालाव में अपने घर में ईरानी ने संभवत: 30 जुलाई को अंतिम सांस ली होगी। इलियास ने कहा, यह बेहद दुखद खबर है। शुक्रवार की सुबह नहाने के दौरान उनकी मौत हुई होगी क्योंकि वह बाथरूम में पाए गए। शुक्रवार से उन्हें प्रेस क्लब या उस जगह पर नहीं देखा गया जहां वह आमतौर पर सुबह का नाश्ता करते थे। उन्होंने कहा, हम सब सोच रहे थे कि वह शहर से बाहर गए हैं, इसलिए हम इस उम्मीद में इंतजार कर रहे थे कि वह रविवार रात को वापस आ जाएंगे।

धन शोधन मामला : समन के बावजूद अनिल देशमुख ईडी के सामने नहीं हुए पेश

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को फिर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। ईडी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। देशमुख ने अपने अधिवक्ता इंद्रपाल सिंह के माध्यम से ईडी को दो पन्नों का पत्र भेजा और कहा कि वह अपना प्रतिनिधि भेज रहे हैं। ईडी ने पहले भी देशमुख को धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए तीन बार बुलाया था, लेकिन वह पेश नहीं हुए थे। ईडी ने शुक्रवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अनिल देशमुख और उनके बेटे हृषिकेश देशमुख को सोमवार को दक्षिण मुंबई में जांच एजेंसी के कार्यालय में पेश होने के लिए नया समन जारी किया, लेकिन वह पेश नहीं हुए। सूत्रों ने पूर्व में कहा था कि ईडी ने धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अनिल देशमुख को तलब किया था क्योंकि एजेंसी मामले में उनका बयान दर्ज करना चाहती है। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह ईडी द्वारा दर्ज धनशोधन मामले में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा के अनुरोध वाली अनिल देशमुख की याचिका पर तीन अगस्त को सुनवाई करेगा। अनिल देशमुख ने पिछले महीने कहा था कि वह अपनी याचिका पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद धन शोधन मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए ईडी के सामने पेश होंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

चॉकलेट का लालच देकर मासूम से किया दुष्कर्म, आरोपी 4 अगस्त तक पुलिस हिरासत में

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। खामगांव शहर के शंकर नगर इलाके में एक हैरान कर देने वाली घटना हुई जहां एक 31 वर्षीय व्यक्ति ने चार साल की मासुम बच्ची को चॉकलेट के लालच देने के बहने घर ले जाकर उस के साथ कथित रूप से प्रताड़ित किया। ये मामला 31 जुलाई को उजागर हुवा। मामला दर्ज करने के बाद देर रात आरोपी को नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस बीच रविवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया और अदालत ने उसे चार अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है. शहर के शंकरनगर ईलाके निवासी धम्मपाल शेषराव गवई (31) ने चार वर्षीय बच्ची को उसी ईलाके से शनिवार 31 जुलाई

की दोपहर करीब चार बजे चाकलेट व लॉलीपॉप का लालच दिखाकर आरोपी ने अपने घर ले गया। उसके बाद, उस व्यक्ति ने बच्ची का यौन शोषण किया और फिर उसे छोड़ दिया। जब बच्ची से उसकी मां ने पूछा कि उसे कोई परेशानी हो रही क्या। बच्ची मुसीबत में थी, तो उसकी माँ ने उससे पूछा कि उसके साथ क्या हुआ। बच्ची के साथ जो हुआ उस मामले को बताया। इसके बाद उसकी मां लड़की को लेकर सिटी थाने पहुंची और धम्पाल गवई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। चिमुकली व पीड़िता की मां की मेडिकल जांच रिपोर्ट व शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी धम्मपाल गवई के खिलाफ पोस्को समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर देर रात धम्मपाल को गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, आरोपी को रविवार को अदालत में पेश किया गया जहां से उसे चार अगस्त तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अतिरिक्त जांच की जा रही है।

बुलडाणा ज़िले में कोरोना संक्रमण नियंत्रण, 12 तहसीलों में एक भी नए मरीज नही

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। कोरोना की दूसरी लहर ने बुलडाणा जिले में कहर बरपाया कर दीया था। ज़िले के सभी गांव कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गए थे। दूसरी लहर का ग्राफ गिरने के साथ अब ज़िले गांव कोरोना मुक्त हो गए हैं। वर्तमान में गांवों में 32 एक्टिव मरीज हैं, जिनका उपचार चल रहा है। मई-जून में अपने चरम पर पहुंचा कोरोना संक्रमण अब जिले में नियंत्रण में है। 30 जुलाई को संदिग्धों की जांच 1017 की गई। ईस रिपोर्ट में से केवल 6 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जबके जिले आज कोरोना से किसी भी मरीज कि मृत्यु नही हुई है। जिले में फिलहाल 32 एक्टिव मरीज हैं। नतीजतन, सोमवार की सकारात्मकता दर महज 0.04 फीसदी रही। एक तरह से यह इस बात का संकेत है कि जिला कोरोना मुक्ति की ओर बढ़ रहा है। इस बीच जुलाई के अंत तक कोरोना मामलों की संख्या रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था को राहत मिली। तीसरी लहर के खतरे से निपटने स्वास्थ्य महकमा तैय्यार है। साथ ही जिले मे अब तक 642242 की रिपोर्ट निगेटिव आई है। इसी तरह अब तक 86570 कोरोना संक्रमित मरीजों को मेडिकल प्रोटोकॉल के तहत डिस्चार्ज किया जा चुका है क्योंकि वे कोरोना नेगेटिव हैं। इस तरह डिस्चार्ज हुए मरीजों की कुल संख्या 86570 है।

अब लोगों की नजर पाबंदी में ढील पर

कोरोना महामारी की दूसरी लहर का प्रभाव काफी हद तक कम हो गया है। शहर और जिले की पॉजिटिव दर भी नियंत्रण में चल रही है। ऐसे में राज्य के लगभग 25 जिलों में आंशिक लॉकडाउन में छूट मिलने की उम्मीद कर रहे है।

समस्तीपुर हलचल

स्वतंत्रता दिवस को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने की संयुक्त बैठक

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर एवं पुलिस अधीक्षक मानवजीत सिंह ढिल्लो की संयुक्त अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस समारोह 2021 के आयोजन से संबंधित समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आहूत की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्त्ता, निदेशक लेख प्रशासन एवं स्वनियोजन, सिविल सर्जन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी जिला सामान्य प्रशाखा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, पुलिस विभाग के वरीय पदाधिकारी आदि ने भाग लिया। कोविड -19 के संक्रमण एवं बचाव के मद्देनजर एवं विभागीय निर्देश के आलोक में जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त निर्देश दिया गया। बैठक के माध्यम से कहा गया की स्वतंत्रता दिवस समारोह 2021 के अवसर पर किसी भी तरह का सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से स्वतंत्रता सेनानियों एवं वरिष्ठ नागरिकों तथा आमजन को आमंत्रित नहीं किया जाएगा। पदाधिकारियों ने कहा की दलित एवं महादलित बस्ती में होने वाले झंडोत्तोलन का आयोजन पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया जाएगा। समारोह में पैरेड में भाग लेने वाले जवानों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग कायम रखने एवं जवानों की टुकड़ी / संख्या का निर्धारण किया जाएगा तथा बच्चों से संबंधित एनसीसी एवं स्काउट गाईड का परेड नहीं किया जाएगा। अनलोगो ने कहा की स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने वाले जनप्रतिनिधि / महानुभावों को ई कार्ड के माध्यम से आमंत्रित किया जाएगा। आमंत्रण ससमय भेजने का निर्देश नजारत उप समाहर्ता को दिया गया। समारोह स्थल पर आगंतुकों के वाहन, स्टेज, पोडियम आदि के लिए सैनिटाइजेशन एवं थर्मल इमेजिंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु सिविल सर्जन समस्तीपुर को निर्देशित किया गया।

लूट कांड का पुलिस ने किया उदभेदन, दोस्त से मिलकर रची लूट की साजिश, लूटकाण्ड मामले में 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

समस्तीपुर। समस्तीपुर में पुलिस ने एक फर्जी लूटकांड के कई आरोपियों को किया गिरफ्तार। समस्तीपुर पुलिस को एक बार फिर बड़ी कामयाबी मिली है पुलिस ने शहर के गुदरी बाजार के व्यवसाई से 3 लाख एवं स्कूटी लूट मामले में पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार बीते 27 जुलाई को समस्तीपुर नगर थाना क्षेत्र के गुदरी बाजार के व्यापारी से पूसा स्थानीय थाना क्षेत्र के भूसकौल एवं बखरी की सीमा पर मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने 3 लाख एवं उनकी स्कूटी भी लूट लिया था। घटना के बाद अपराधियों ने छीनी गई स्कूटी को नेमोपुर गांव के सड़क किनारे छोड़ कर भाग निकले थे। जहां से पुलिस ने स्कूटी को बरामद कर लिया था। जिसके बाद नगर थाना क्षेत्र के गुदरी बाजार निवासी रतनलाल पोदार के पुत्र गोलू कुमार एवं मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बिशनपुर निवासी रंजीत कुमार के पुत्र टिंकू कुमार मार्केटिंग के लिए मुजफ्फरपुर जा रहे थे इसी दौरान अपराधियों ने लूट की इस घटना को अंजाम दिया था। जिसको लेकर पूसा थाना में 27 जुलाई को कांड संख्या 75/21 दर्ज करवाई गई थी। घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पूसा थाना अध्यक्ष निशा भारती मथुरापुर, ओपी अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, पूसा थाना के संजय कुमार द्वारा संयुक्त रूप से अनुसंधान शुरू कर दिया। तकनीकी अनुसंधान के आधार पर लूट कांड में संलिप्त अपराधियों की पहचान कर छापेमारी की गई।तथा कुल 5 अपराधकर्मियों को पकड़ा गया। छापेमारी के दौरान लूट कांड में लूटे गए रुपए में से 83 हजार एवं स्कूटी एवं लूट गया रियलमी कंपनी का मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है। इसके साथ ही पुलिस की टीम ने लूट कांड की इस घटना में उपयोग की गई होंडा शाइन बाइक को भी बरामद कर लिया। पुलिस ने घटना में संलिप्त पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है जिसकी पहचान नगर थाना क्षेत्र के चीनी मिल निवासी रतनलाल पौदार के पुत्र राजा कुमार, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बिशनपुर निवासी रंजीत राय के पुत्र टिंकू कुमार, मथुरापुर ओपी निवासी शंकर महतो के पुत्र ललन कुमार उर्फ साहिब और उर्फ प्रिंस, मथुरापुर ओपी के बेगमपुर निवासी सुरेश राय के पुत्र चंदन कुमार, वारिसनगर थाना क्षेत्र के मन्नीपुर निवासी गणेश सिंह "डीलर" के पुत्र आशीष कुमार के रूप में की गई है।

राजस्थान हलचल

समाज को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा आवश्यक, शिक्षा के बिना कोई समाज तरक्की नहीं कर सकता-सदर मेवाड़ मुस्लिम शाह समाज

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमंद/देवगढ़। मेवाड़ मुस्लिम शाह समाज की आम बैठक मेवाड़ शाह समाज के सदर हाजी मुबारिक शाह कुरज की अध्यक्षता में देवगढ़ हीर बंगला दरगाह पर समाज मे शिक्षा को बढ़ावा देने एवं समाज सुधार को लेकर आयोजित की गई। बैठक में मौजूद समाज के लोगो को सम्बोधित करते हुए सदर हाजी मुबारिक शाह ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा से पिछड़ रही समाज मे शिक्षा को बढ़ावा देना एवं शिक्षा से वंचित लोगो को शिक्षा से जोड़ना है। शिक्षा से ही समाज का विकास होता है ओर शिक्षा के बिना कोई समाज तरक्की नही कर सकता है। जब तक पूरा समाज शिक्षित नहीं होगा तब तक शिक्षा को बढ़ावा देने की जरूरत है। शिक्षा हमें मानवता का पाठ पढ़ाने का काम करती है। प्रवक्ता रफीक शाह राजसमन्द ने विशेष रूप से बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि आज के दौर में अपनी बहन-बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाए ताकि वो आगे चलकर अपने पांव पर खड़ी हो सके ओर समाज का नाम रोशन कर सके उन्होंने बैठक में मौजूद समाज के लोगो को अपने बच्चों को दीनी एवं दुनियावी तालीम हासिल कराने का आह्वान किया। मीडिया प्रभारी आशिक शाह देवगढ़ ने बैठक में मौजूद लोगों को समाज के कार्यो में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने एवं कौम की खिदमत करने का आह्वान किया। साथ ही समाज मे एकता कायम करने पर भी जोर दिया। बैठक में सामाजिक कुरूतियों को मिटाकर समाज सुधार के नए आयाम स्थापित करने को लेकर भी चर्चा की गई। गफ्फार शाह एवं शरीफ शाह रेलमगरा, रशीद शाह कपासन आदि ने भी सम्बोधित किया। बैठक में कैशियर एवं उपाध्यक्ष चांद शाह पोटला ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। मेवाड़ मुस्लिम शाह समाज के पदाधिकारियों एवं समाज के लोगो ने बैठक से पूर्व हजरत सैय्यद महबूब अली शाह एवं सैय्यद मीर हसन हीर बंगला के आस्ताने पर चादर पेश कर देश मे अमन चैन, खुशहाली एवं क्षेत्र में अच्छी बारिश की दुआएं मांगी। बैठक के दौरान देवगढ़ शाह समाज की ओर से मेवाड़ शाह समाज के सदर का उपरना ओढ़ाकर दस्तारबंदी की गई साथ ही पूरे मेवाड़ से आए पदाधिकारियों एवं समाज के लोगो का भी उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस दौरान रज्जाक शाह, काशम शाह, अफसर हुसैन, आशिक शाह, बाबू शाह, गुलजार मोहम्मद, एहसान शाह, ईमरान मोहम्मद, मुबारिक शाह, कमरुद्दीन शाह, शहजाद हुसैन, असलम मो., कय्यूम शाह राजनगर, आजाद शाह आमेट, मुबारिक शाह आमेट, अब्बास हुसैन उदयपुर सहित समाज के सभी चोखलो के पदाधिकारी एवं नोजवान मौजूद थे।काशम शाह देवगढ़ ब्लॉक सदर नियुक्त-मेवाड़ मुस्लिम शाह समाज के सदर हाजी मुबारिक शाह कुरज ने देवगढ़ निवासी काशम शाह को देवगढ़ ब्लॉक (देवगढ़, ताल, लसानी एवं गोरख्या) का सदर नियुक्त किया। साथ ही मदार साहब के महीने में मेवाड़ शाह समाज की सालाना आम बैठक पोटला (भीलवाड़ा) में करने का निर्णय लिया जिसपर समाज के सभी लोगो ने सहमति जताई।

कुलपति बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय की मेहरबानी से फर्जी डिग्री धारी लूट रहा है लोखों रुपए

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। कुलाधिपति एवं महामहिम राज्यपाल महोदय के आदेशो से नियुक्त प्रोफेसर अंबरीश विद्यार्थी कुलपति बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय यूजीसी के नियमो की खुली अनदेखी कर महामहिम की महिमा को खण्डित कर रहे है- कुलपति बीटीयू नियंत्रणाधीन तो महामहिम के है मगर चाकरी एम पी पुनिया पूर्व प्राचार्य व उपाध्यक्ष एआईसीटीई की कर रहे है-यूजीसी के क्लॉज 22 मे एम सी एस एक वर्षीय मास्टर डिग्री /कोर्स को मान्यता नही है! हिन्दुस्तान के इतिहास मे शायद ही ऐसा कारनामा हो कि मास्टर डिग्री एक वर्षीय हो -एड़वोकेट ने बताया कि एम पी पुनिया पूर्व प्राचार्य ईसीबी बीकानेर ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र व फर्जी शैक्षणिक डिग्रियो के आधार पर अजीत सिंह पुनिया पुत्र एम पी पुनिया को 2008 मे रीड़र के पद पर नियुक्त किया था-अजीत सिंह पुनिया ने B com + A level course के बाद जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर से एक वर्षीय मास्टर डिग्री की - तत्पश्चात एम टेक व मैनेजमेंट मे पी एच डी की - पुनिया ने कभी भी ईजीनियरिग संकाय मे अध्ययन नही किया -मगर पूर्व कुलपति एच डी चारण व वर्तमान कुलपति प्रो अंबरीश विद्यार्थी ने एम पी पुनिया के दबाव मे रिसर्च सुपरवाइजर के पद पर नियुक्त किया है - विदित रहे तकनीकी शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार ने 6 जुलाई 2017 को अजीत सिंह पुनिया रीड़र के अनुभव प्रमाण पत्र व शैक्षणिक दस्तावेजो को फर्जी मान उसकी सेवाऐ समाप्त कर दी थी-एडवोकेट की शिकायत पर तकनीकी शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार ने 18-11-2020 को अजीत सिंह पुनिया रीड़र के द्वारा दुरसंधि से करवाये निर्णय के विरूद्ध अपील प्रस्तुत करने के आदेश जारी किए थे-एम पी पुनिया के दबाव मे कुलपति बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय एक वर्ष व्यतीत होने के बाद भी माननीय उच्च न्यायालय मे अपील प्रस्तुत नही कर रहे है एड़वोकेट ने वर्तमान कुलपति प्रो अंबरीश विद्यार्थी बीटीयू को पिछले दिनो ही समस्त दस्तावेज व तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजी थी -एड़वोकेट सुरेश गोस्वामी महामहिम राज्यपाल महोदय से इस मामले मे हस्तक्षेप करने की मांग करता है साथ ही दोषी अधिकारियो के विरूद्ध कारवाई करने की मांग करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फेस पैक लगाने का तरीका...

हर कोई अपनी त्वचा को सुंदर बनाने के लिए कई तरह के मार्किट से मिलने वाले और कुछ घरेलू फेस मास्क और फेस पैक का इस्तेमाल करता हैं लेकिन मास्क का सही असर पाने के लिए इसे सही तरीके से लगाना बहुत जरूरी हैं। कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए।

➢ *अगर आप घर में बना फेस मास्क यूज कर रहे है तो हर बार ताजे पानी का इस्तेमाल करें। यदि आप बाजार से खरीदा उत्पाद प्रयोग कर रही है तो अपने फेस मास्क लगाने वाला ब्रश, रूई के फाहे और मुंह पोछने का कपड़ा साथ रखें।*

➢ *मास्क लगाने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो कर साफ कर लें। इसके बाद अपनी त्वचा को स्क्रब की मदद से साफ करें। इससे त्वचा की मृत कोशिकाएं हट जाती हैं और मास्क अच्छी तरह से अवशोषित होता है।*

➢ *अपने चेहरे को 2 मिनट के लिए भाप दे, जिससे रोम छिद्र खुल जाएंगे। भाप देने के लिए साफ-सुथरे कपड़े को गर्म पानी में भिगोकर चेहरे को तब तक ढक ले, जब तक ठंडा न हो जाए।*

➢ *अब ब्रश की मदद से फेस मास्क को चेहरे पर लगाएं। यदि आपके पास ब्रश न हो तो मास्क को हाथों से लगाने से पूर्व उन्हें अच्छी तरह से धो कर सुखा लें।*

➢ *मास्क लगाने के बाद खीरे या आलू के टुकड़ों को आंखों पर रखें ताकि इनको शांति मिल सकें।*

क्या आपका बच्चा भी बिस्तर गीला करता है?

बिस्तर गीला करना यानि पेशाब करना, यह समस्या बच्चों में आम देखी जाती हैं। अगर इस आदत पर ज्यादा ध्यान ना दिया जाए तो यह आदत आगे जाकर बच्चों के लिए समस्या बन सकती हैं। कई मां-बाप ऐसे होते हैं जो बच्चो को बिस्तर गीला करने पर डांटते हैं या फिर मारते हैं लेकिन यह ठीक नहीं हैं। आपके ऐसा करने पर बच्चे का आत्मविश्वास कमजोर होता है लेकिन ऐसा क्या करें जिससे बच्चा बिस्तर गीला करना बंद कर दें। आप इसके लिए कुछ घरेलू उपाय भी अपना सकते हैं।

गुड और तिल: बच्चों को गुड और तिल के लड्डु का सेवन कराने से उनकी बिस्तर पर पेशाब करने की आदत धीरे-धीरे छुट जाती है।

अखरोट और किशमिश: एक अखरोट की गिरी और 5 ग्राम किशमिश दोनों को मिला लें और बच्चो को लगभग 10 दिन तक इसका सेवन कराएं। यह काफी असरदार उपाय है।

जामुन की गुटली: एक चम्मच जामुन की गुटली के पाऊडर में एक चम्मच चीनी मिला लें और दिन में एक बार गुनगुने पानी के साथ बच्चे को इसका सेवन कराएं।

आंवला और जीरा: एक सूखा आंवला और जीरे का पाऊडर बना लें। दिन में दो बार इस बने मिश्रण को बच्चे को शहद के साथ चाटने को दें।

छुआरा और दूध: रात को सोने से पहले बच्चे को दूध के साथ छुआरा खाने को दें। इससे बच्चे का बिस्तर गीला करना काफी हद तक कम हो जाता है।

ध्यान रखें ये बातें

बच्चों को सोने से पहले अधिक पानी न पीने दें। चाय, कॉफी एवं ज्यूस न दें। बच्चों को पेशाब कर के सुलाएं। इसके अलावा रात में एक या दो बार उठाकर उन्हें पेशाब करवाएं।

लड़कियों की ये बातें लड़कों को दिलाती हैं गुस्सा

जमाना काफी मॉडर्न हो गया है। इस जमाने में लड़का-लड़की का गर्लफ्रैंड-ब्वॉयफ्रैंड होना कोई चौकाने वाली बात नहीं है। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल जाती हैं और फिर बात शादी तक पहुंच जाती हैं लेकिन हर केस में ऐसा नहीं होता। कुछ रिश्ते जल्दी टूट जाते हैं, जिसका कारण पार्टनर का आपस में तालमेल ना होना है। कई बार लड़के को लड़की खूबसूरत तो लगती है लेकिन उसकी आदतें और बातें उन्हें पसंद नहीं आती । नतीजा धीरे-धीरे रिश्ते में दूरियां आने लगती हैं। अंत दोनों का रिलैशन टूट जाता है। अगर आप भी अपने ब्वॉयफ्रैंड से रोजाना ऐसी ही बातें दोहराती हैं तो जरा सतर्क हो जाएं।

1. सही तरह से ना बात करना
2. किसी और से नजदीकी बढ़ाना
3. बिना बात के झगड़ा
4. बातों पर रूचि न रखना
5. फ्रिक न करना

बाल चाहिए लंबे तो लगाएं प्याज का हेयर मास्क

ज्यादातर लड़कियां अपने बालों को लेकर परेशान रहती हैं। वह अपने बालों को लंबा करने के लिए न जाने कितने हेयर टिप्स को अपनाती हैं लेकिन फिर भी उन्हें कोई फर्क नजर नहीं आता। आज हम आपको प्याज के हेयर मास्क के बारे में बताएंगे जो आपके बालों को सिर्फ लंबा ही नहीं बल्कि शाइनी और मजबूती भी देगा।

कैसे बनाएं हेयर मास्क

जरूरी सामान

➢ 1 बड़ा प्याज
➢2 चम्मच शहद
➢2 चम्मच आंवला पाऊडर
➢ 2 चम्मच जैतून का तेल
- 1/4 चम्मच काली मिर्च पाऊडर

बनाने का तरीका

➢ सबसे पहले प्याज को मिक्सी में ग्राइंड कर लें फिर एक छन्नी की मदद से प्याज का सारा रस एक कटोरे में निकाल लें।

➢ इसके बाद प्याज के रस में शहद, आंवला पाऊडर, जैतून का तेल, और काली मिर्च के पाऊडर को डाल लें और अच्छे से इसे मिक्स करके पेस्ट तैयार कर लें।

➢ इस बने हेयर मास्क को अपने बालों पर लगाएं और एक घंटे के बाद बालों को पानी से धो लें।

चुप रहने से भी आती है रिश्तों में दूरी...

शहद सा मीठा और इमली सा खट्टा होता है पति-पत्नी का रिश्ता, कभी प्यार भरी बातें, मान मनुहार तो कभी नोक झोंक, फिर भी कभी-कभी प्यार भरे इस रिश्ते में ऐसा मौन छा जाता है कि समझ में ही नहीं आता कि इसे तोड़ा कैसे जाए। वास्तव में नोक-झोंक कई बार उस मोड़ पर आ खड़ी होती है कि दोनों में बातचीत बंद हो जाती है, भले ही इसका कारण कई बार बहुत छोटा-सा होता है, फिर भी लंबे समय तक की खामोशी इस रिश्ते में कड़वाहट ला कर उसे तोड़ देने के लिए काफी होती है। यदि संबंधों में आई उस कड़वाहट, संवादहीनता और मौन को समय रहते दूर कर लिया जाए तो परिवार के बिखराव का डर नहीं रहता। यदि पति पत्नी में से एक शांत और दूसरा तेज स्वभाव वाला हो तो दोनों के बीच संतुलन बना रह सकता है, परंतु यदि दोनों ही स्वभाव से तेज एवं गुस्से वाले हों तो वैचारिक टकराव के साथ-साथ शाब्दिक टकाराव भी उठ खड़ा होता है, जो कि कई बार लंबे मौन का रूप तैयार कर लेता है।

मौन का कारण

आमतौर पर पति पत्नी के बीच कुछ ऐसी बातें हर घर में हो जाती हैं, जो कि संबंधों में मौन का कारण बन जाती हैं, जिन्हें समय रहते ही दूर कर लिया जाना बेहद जरूरी है।

निशाना दूसरे क्यों

अक्सर पति पत्नी आपसी मन मुटाव का शिकार एक दूसरे के परिवार के सदस्यों को बना लेते हैं और अपने दिल की भड़ास एक-दूसरे के परिवार के सदस्यों के विरोध में बोल कर निकालते हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जो कि बात को शांत करने की अपनेक्षा और ज्यादा बढ़ा देता है और एक की कही बात दूसरे के दिल में कहीं गहरे तक जा कर चोट करती है। अतः लड़ते समय या बहस के दौरान आप दूसरों को निशाना ना बनाएं, क्योंकि वास्तव में वे तो आपके मुटाव में कहीं शामिल भी नहीं होते।

अहं बने कारण

पति-पत्नी के बीच जब किसी भी चीज को ले कर अहं भाव का आ जाता है, तो फिर वह प्यार की सीमा लांघ कर अहंकार बन जाता है। ऐसे में कई बार पति या पत्नी दूसरों के सामने भी एक दूसरे का अपमान कर देते हैं, जिससे कि दूसरे के स्वाभिमान को ठेस लगना स्वाभाविक सी बात है। ध्यान रखें कि पति पत्नी के संबंधों में अहंकार नहीं, बल्कि स्वाभिमान होना चाहिए।

दोस्त बनें दीवार

पति-पत्नी का एक दूसरे के उन दोस्तों एवं सहेलियों को ले कर विवाद होना बेहद आम सी बात है, परंतु हर समय इस टॉपिक पर सामने वाले को टोकना या नीचा दिखाना पारिवारिक माहौल को खराब कर देता हैं, सो बेहतर है कि अपने रिश्ते को बचाए रखने के लिए वे अपने दोस्तों को कम तरजीह दें क्योंकि परिवार की शांति से बढ़ कर कुछ नहीं होता। यदि आप की मित्र मंडली आपके वैवाहिक जीवन में जहर घोल रही है, तो दोस्तों को एक सीमा तक ही महत्व देना सही रहेगा।

निर्णय लादना

पति-पत्नी होने के बावजूद भी हर किसी का अपना व्यक्तित्व है, सो किसी भी बात को ले कर एक दूसरे पर अपना ही निर्णय थोपने का प्रयास न करें, क्योंकि हर कोई अपने जीवन को अपने ढंग से जीना चाहता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पूजा हेगड़े ने बताया फिल्म 'सर्कस' की शूटिंग का अनुभव

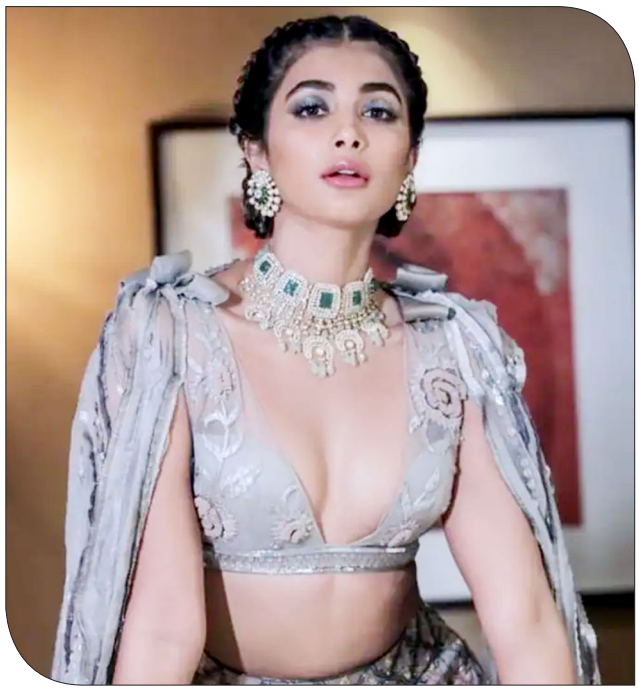

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े के पास इस समय कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। वह रोहित शेट्टी की फिल्म 'सर्कस' में रणवीर सिंह के साथ भी नजर आने वाली हैं। हाल ही में पूजा ने रणवीर सिंह और रोहित शेट्टी के साथ शूटिंग के अपने अनुभव के बारे में बात की। एक इंटरव्यू के दौरान पूजा हेगड़े ने कहा, फिल्म की शूटिंग में बहुत मजा आया। सर्कस रोहित सर और वीर (रणवीर सिंह) का तीसरा सहयोग है और उनके बीच पहले से ही वह बॉन्डिंग है। जब आप ऐसे लोगों के साथ काम करते हैं, तो आपको मजा आएगा ही। उन्होंने आगे कहा, ऐसा लगा जैसे हमने एक पार्टी की थी और बीच में, हम फिल्म की शूटिंग के लिए जाते थे। जब आप ऑफ-स्क्रीन इतना मजा करते हैं, तो मेरा मानना है कि यह स्क्रीन पर भी दिखता है और मुझे उम्मीद है कि ऐसा ही होगा। पूजा ने हाल ही में प्रभास के साथ अपनी पैन-इंडिया फिल्म राधे श्याम की शूटिंग पूरी की है और सर्कस के साथ-साथ उनके पास सलमान खान के साथ भाईजान भी हैं। इसके अलावा वह चिरंजीवी और राम चरण के साथ आचार्य, मोस्ट एलिजिबल बैचलर में भी नजर आएंगी।

जाह्नवी ने बताया अपना ड्रीम वेडिंग प्लान

फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। प्रोफेशनल लाइफ के अलावा जाह्नवी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। वही अब जाह्नवी के अपने वेडिंग प्लान का खुलासा किया है। हाल ही में एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में जाह्नवी कपूर ने अपना पूरा वेडिंग प्लान बताया है। जाह्नवी ने बैचलरेट पार्टी से लेकर शादी तक की पूरी तैयारी की हुई है। जाह्नवी का कहना है कि वह सिंपल और प्यारी शादी चाहती हैं जो 2 दिन में हो जाए। जाह्नवी कपूर ने कहा, मेरी बैचलरेट पार्टी कैप्री मे याच में हो और शादी तिरुपति में। मेहंदी और संगीत सेरेमनी मयलापुर में हो। उन्होंने कहा कि रिसेप्शन को लेकर मुझे कोई एक्साइटमेंट नहीं है। रिसेप्शन जरूरी होता है क्या? नहीं न तो छोड़िए रिसेप्शन। शादी की डेकोरेशन को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, शादी की डेकोरेशन ट्रेडिशनल लेकिन सिंपल होगा। मोगरा और मोमबत्तियों से डेकोरेशन होनी चाहिए और 2 दिन में पूरी शादी हो जाए। मेरी शादी में खुशी और अंशुला कपूर ब्राइड्समेड्स होगी। शादी में खुशी और पापा इमोशनल हो जाएंगे तो ऐसे में अंशुला दीदी सब संभाल सकती हैं। अपनी वेडिंग आउटफिट को लेकर जाह्नवी ने कहा, मैं कांजीवरम या पट्टू पावड़ाई साड़ी पहनूंगी और वो गोल्ड की होगी। मेहंदी आउटफिट पिंक कलर का होगा और संगीत का आउटफिट येलो कलर का। मेरा पति समझदार होना चाहिए क्योंकि मैं अभी तक ऐसे किसी इंसान से नहीं मिली हूं।

प्रभास के फैंस का इंतजार हुआ खत्म

सुपरस्टार प्रभास की फैन फॉलोइंग काफी जबरदस्त है। बात उनके लुक की हो या फिर फिल्मों की फैंस हमेशा ही एक्टर की एक झलक पाने को तैयार रहते हैं। ऐसे में आखिरकार वो दिन आ ही गया जब फैंस की दुआएं कबूल हो गई हैं, क्योंकि प्रभास की 'राधे श्याम' की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। इस फिल्म को देखने के लिए लोग काफी ज्यादा बेताब हैं। वहीं फिल्म की टीम ने एक पोस्टर और अन्य झलक का खुलासा करके सभी बताया है फिल्म किस दिन रिलीज होगी। इस बीच प्रभास ने खुद भी अपनी अपकमिंग फिल्म की डेट का सोशल मीडिया अकाउंट पर ऐलान किया है। एक्टर ने अपने इंस्टा हैंडल और फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उन्हें डेपर लुक में यूरोप की सड़कों पर टहलते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ ही पोस्टर में कहा गया है कि फिल्म मकर संक्रांति/पोंगल के अवसर पर रिलीज होगी, यानी अगले साल रिलीज होगी। फिल्म के इस नए पोस्टर की बात करें तो इसमें प्रभास सूट पहने हाथ में सूटकेस लेकर सड़को पर चलते नजर आ रहे हैं। प्रभास के आस-पास बड़ी-बड़ी बिल्डिंग्स नजर आ रही हैं।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
Estd. : 2011
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in